S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. I Sem. HINDI

प्रथम प्रश्न–पत्रः हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः	प्रश्न–1	आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।	10
	प्रश्न–2	रासो काव्य परम्परा को बताते हुए किन्हीं तीन का विवेचन कीजिए।	
खण्ड–खः	प्रश्न–3	प्रमुख संत कवियों के बारे में बताते हुए, संत काव्य की विशेषताओं को समझाइए।	10
	प्रश्न–4	सूफी काव्य की प्रवृत्तियां का विवेचन कीजिए।	
खण्ड–गः	प्रश्न–5	कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।	10
	प्रश्न–6	रामकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।	

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. I Sem. HINDI

द्वितीय प्रश्न–पत्रः प्राचीन काव्य

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः प्रश्न–1 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

मगसिरियइ दिन छोटा जी होई
सषीय संदेसउ न पाठ वइ कोई।
संदेसइ ही बज पड्यउ।
ऊंचा हो परबत नीचा घाट।
परदेसे पर भुइं गयउ।
तटइ चारीय न आवइ न चालए बाट।।

प्रश्न–2 "नरपति नाल्ह कृत बीसलदेव रासो राजमती के विरह चित्रण का अनूठा काव्य है।" कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

खण्ड–खः प्रश्न–3 विद्यापति के काव्य–सौष्ठव का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

प्रश्न–4 गीति काव्य की दृष्टि से विद्यापति की पदावली की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–गः प्रश्न–5 स्पष्ट कीजिए कि 'ढोला मारू रा दूहा; राजस्थान का एक प्रसिद्ध प्रेम काव्य है।' 10

प्रश्न–6 'ढोला मारू रा दूहा' काव्य की काव्यगत विशषताओं पर प्रकाश डालिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. I Sem. HINDI

तृतीय प्रश्न–पत्रः हिन्दी काव्यशास्त्र–I (भारतीय)

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः	प्रश्न–1	प्रबंध काव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।	10
	प्रश्न–2	मुक्तककाव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।	
खण्ड–खः	प्रश्न–3	उपन्यास की परिभाषा देते हुए, उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।	10
	प्रश्न–4	नाटक किसे कहते हैं? परिभाषा देते हुए, नाटक के तत्वों को स्पष्ट कीजिए।	
खण्ड–गः:	प्रश्न–5	रस किसे कहते हैं? परिभाषा देते हुए, श्रृंगार, वीर, भक्तिरस को सोदाहरण समझाइये।	10
	प्रश्न–6	अलंकार की परिभाषा देते हुए, यमक, उपमा व अतिशयोक्ति अलंकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. I Sem. HINDI

चतुर्थ प्रश्न–पत्रः हिन्दी उपन्यास एवं निबंध

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

सहसा उसने देखा, भोला अपनी गाय लिए इसी तरफ चला आ रहा है। भोला इसी गाँव से मिले हुए पुरवे का ग्वाला था और दूध–मक्खन का व्यवसाय करता था। अच्छा दाम मिल जाने पर कभी–कभी किसानों के हाथ गाएँ बेच भी देता था। होरी का मन उन गायों को देखकर ललचा गया। अगर भोला वह आगे वाली गाय उसे दे तो क्या कहना! रूपये आगे–पीछे देता रहगा। वह जानता था, घर में रूपये नहीं है। अभी तक लगान नहीं चुकाया जा सका; बिसेसर साह का देना भी बाकी है जिस पर आने रूपये का सूद चढ़ रहा है, लेकिन दरिद्रता में जो एक प्रकार की अदूरदर्शिता होती है, वह निर्लज्जता जो तकाजे, गाली मार से भी भयभीत नहीं होती।

प्रश्न–2 'गोदान' उपन्यास की तात्विक समीक्षा विस्तार से कीजिए।

खण्ड–खः

प्रश्न–3 'समय–सरगम' उपन्यास की मुख्य पात्र 'आरण्या' का चरित्र–चित्रण कीजिए। 10

प्रश्न–4 कृष्णा सोबती का उपन्यास "समय–सरगम' बदलते सामाजिक परिदृश्य और बुजुर्ग पीढ़ी की मानसिक दशा पर केन्द्रित उपन्यास है।" स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–गः

प्रश्न–5 'साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।' निबंध की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

प्रश्न–6 'देवदारू' निबंध आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का एक श्रेष्ठ ललित निबंध है, स्पष्ट कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)
असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025
M.A. HINDI : III Sem.

प्रथम प्रश्न–पत्रः हिन्दी गद्य– III (हिन्दी नाटक)

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः

प्रश्न–1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

राम भजो, राम भजो, राम भजो भाई।
राम के भजे से गनिका तर गयी,
राम के भजे से गीध गति पाई।
राम के नाम से काम बनै सब,
राम के भजन बिनु सबहि नसाई।
राम के नाम से दोनों नयन बिनु,
सूरदास भए कबिकुल–राई।

प्रश्न–2 'अन्धेर नगरी' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–खः

प्रश्न–3 'स्कन्दगुप्त' नाटक की नाट्य शैली का विवेचन कीजिए। 10

प्रश्न–4 'प्रसाद के नाटक रंगमंच की दृष्टि से सफल नहीं कहे जाते हैं' कथन की सार्थकता में स्कन्दगुप्त नाटक के आधार पर सविस्तार उत्तर दीजिए।

खण्ड–गः

प्रश्न–5 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए इसकी कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

प्रश्न–6 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर मल्लिका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)
असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025
M.A. III Sem. HINDI

द्वितीय प्रश्न–पत्रः निर्गुण काव्य

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः प्रश्न–1 दुलहिनी गावहु मंगलाचार, 10
हम घरि आये हो राजा राम भरतार
तन रति करि मैं मन रति करिहौ पंचतत बाराती।
रामदेव मौरे पांहुनै आएं, मैं जोबन मैंमाती।।
सरीर सरोवर बेदी करिहौं, बह्मा वेद उचारा।
रामदेवसंग भाँवरी लेहौं, धनि–धनि भाग हमारा।।
सुर तैंतीसो कौतिग आए, मुनिवर सहस अठासी।
कहै कबीर हम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अबिनासी।।

प्रश्न–2 निर्गुण कवियों में कबीर का स्थान निर्धारित करते हुए उनके काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–खः प्रश्न–3 जायसी के पदमावत में व्यक्त नागमति विरह–वर्णन की प्रमुख विशेषताएँ बताइये। 10

प्रश्न–4 भक्तिकाल की सूफी काव्यधारा का परिचय देते हुए सूफी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–गः प्रश्न–5 दादूदयाल की भक्ति भावना पर विस्तृत लेख लिखिए। 10

प्रश्न–6 दादूदयाल का काव्य सामाजिक समरसता का प्रतीक है उक्त कथन पर विस्तृत लेख लिखिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. III Sem.HINDI

तृतीय प्रश्न–पत्रः भाषा विज्ञान–I

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः	प्रश्न–1	भाषा का महत्व बताते हुए, भाषा परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।	10
	प्रश्न–2	रूप–विज्ञान को परिभाषित करते हुए, विस्तार से समझाइये।	
खण्ड–खः	प्रश्न–3	अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए।	10
	प्रश्न–4	ध्वनि परिवर्तन के कारण और ध्वनि वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।	
खण्ड–गः	प्रश्न–5	हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।	10
	प्रश्न–6	अवहट्ट और पुरानी हिन्दी पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।	

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. III Sem. HINDI

चतुर्थ प्रश्न–पत्रः रीतिकालीन काव्य

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः प्रश्न–1: निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

लसतु सेत सारी ढप्यौ, तरल तर्यौना कान
पर्यौ मनो सुरसरि–सलिल रबि–प्रतिबिंदु बिहान।
या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई
ज्यौं–ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं–त्यौं उज्जलु होई।

प्रश्न–2: बिहारी की काव्य–कला का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

खण्ड–खः प्रश्न–3: सिद्ध कीजिए कि 'भूषण वीर रस के सर्वश्रेष्ठ कवि है।' 10

प्रश्न–4: कवि भूषण के काव्य के कला–पक्ष की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

खण्ड–गः प्रश्न–5: 'घनानंद प्रेम की पीर का कवि है।' कथन की सार्थकता में घनानंद की विरहानुभूति काव्य में कैसे व्यक्त हुए सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

प्रश्न–6: घनानंद के काव्य में स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्तियों के निरुपण को विवेचित कीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. III Sem. HINDI

पंचम प्रश्न–पत्र: विशिष्ट अध्ययन,1 तुलसीदास

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः

प्रश्न–1 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **10**

निज दास ज्यों रघुबंस भूषन कबहुँ मम सुमिरन करयो।
सुनि भरत बचन बिनीत अति कपि पुलकि तन चरनन्हि परयौ।।
रघुबीर निज मुख जासु गुन गन कहत अग जग नाथ जो।
काहे न होइ बिनीत परम पुनीत सदगुन सिंधु सो।।

प्रश्न–2 'रामचरितमानस' के उत्तरकाण्ड के कला पक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–खः

प्रश्न–3 'विनयपत्रिका' की कथावस्तु पर सविस्तार प्रकाश डालिए। **10**

प्रश्न–4 गोस्वामी तुलसीदास कृत 'विनय पत्रिका' में तुलसी के दर्शन को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–गः

प्रश्न–5 'रामचरितमानस' समन्वय की विराट चेष्टा का काव्य हैं।' स्पष्ट कीजिए। **10**

प्रश्न–6 'विनयपत्रिका' की वैचारिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

M.A. III Sem. HINDI

पंचम प्रश्न–पत्रः विशिष्ट अध्ययन, 2 प्रेमचन्द

पूर्णांक : 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः

प्रश्न–1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 10

सूरदास लाठी टेकता हुआ धीरे–धीरे घर चला। रास्ते में चलते–चलते सोचने लगा– यह है बड़े आदमियों की स्वार्थपरता। पहले कैसे हेकड़ी दिखाते थे, मुझे कुत्ते से भी नीचा समझा, लेकिन ज्योंहि मालूम हुआ कि जमीन मेरी है, कैसी लल्लौ–चप्पो करने लगे। इन्हें मैं अपनी जमीन दिए देता हूँ। पाँच रूपए दिखाते थे, मानो मैंने रूपए देखे ही नहीं। पाँच तो क्या पाँच सौ भी दें, तो भी जमीन न दूँगा।

प्रश्न–2 'औद्योगिकीकरण' की समस्या 'रंगभूमि' उपन्यास का केन्द्र है' कथन की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–खः

प्रश्न–3 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध में प्रेमचन्द के विचारों को व्यक्त कीजिए। 10

प्रश्न–4 'कौमी भाषा के विषय में कुछ विचार' निबंध का सार व्यक्त कीजिए।

खण्ड–गः

प्रश्न–5 उपन्यास की परिभाषा बताते हुए उपन्यास के प्रकारों का वर्णन कीजिए। 10

प्रश्न–6 कहानी का अर्थ बताते हुए कहानी के तत्वों का वर्णन कीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner